जनपद आजमगढ़ की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण रिपोर्ट

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, एन0एच0एम0 से दो सदस्यीय भ्रमण टीम मनीष कुमार सोनी, जनपदीय नोडल अधिकारी,एस0एस0वी0/कन्सल्टेंट, परिवार नियोजन एवं अवनीश पाण्डेय, सिविल अनुभाग द्वारा जनपद आजमगढ़ की स्वास्थ्य इकाइयों का चार दिवसीय सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 11 से 14 जून 2018 को किया गया है। भ्रमण दल के साथ डी0पी0एम0 सतीश यादव भी थे, बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

➢ जिला महिला चिकित्सालय आजमगढ़

अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित सुझाव एवं सुधार	कार्यवाही स्तर
मैटरनल हेल्थ		
• इमरजेन्सी ड्रग ट्रे में मात्र 2 से 3 दवाईया ही थी। • लेबर रूम की सफाई समुचित नही थी। • लेबर रुम के अन्दर प्रसूताओं को आक्सीटोसिन इन्जेक्शन दिया जा रहा था परन्तु हाई–रिस्क प्रेगनेंसी चिन्हित नहीं की जा रही थीं। • बी.एच.टी. पूरी नहीं भरी जा रही थी। • लेबर रूम में तैनात स्टाफ नर्स एस0बी0ए0 में प्रशिक्षित नही थी। • पार्टोग्राफ नही भरा जा रहा था और ना ही तैनात स्टाफ को इसकी जानकारी थी। • लेबर रूम में प्रसव के दौरान प्रयोग में लाने हेतु रखे गये उपकरणों पर जंग लगे थे। • महिला वार्ड में प्रचार प्रसार हेतु सामग्री का समुचित प्रदर्शन नही किया गया था। • लेबर रूम में मौजूद डिलेवरी टेबल पर जंग लगी एवं टुटी हुयी थी। • कलर कोडेड डस्टबीन प्रयोग किये जा रहे थें एवं ब्लीचिंग पाउडर घोल का भी प्रयोग किया जा रहा था। • ए0एन0सी0 कक्ष में उपलब्ध रजिस्टर में किसी भी लाभार्थी का एम0सी0टी0एस0 नम्बर नही नोट किया जा रहा था। वहा पर तैनात स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया कि लाभार्थी द्वारा एम0सी0टी0एस0 नम्बर नही बताया जाता है या उन्हे इसकी जानकारी नही होती है। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रदर्शित नही था। • लेबर रूम में डिलवरी रजिस्टर भी पूर्ण भरे नही गये थे। • लेबर रूम के टॉयलेट के दरवाजे पर प्रदर्शित सफाई लाग बुक पर सितम्बर 2017 का दिनांक अंकित था इसके बाद का कोई रिकार्ड नही था।	• भ्रमण दल द्वारा मौके पर ही इमरजेन्सी ड्रग ट्रे में मानक अनुसार दवाएं सुनिशित करायी गयी। • भ्रमण दल द्वारा मौके पर ही लेबर रूम की साफ–सफाई सुनिशित करायी गयी व हॉस्पिटल मेनेजर को प्रत्येक दिन समुचित सफाई सुनिशित कराने हेतु निर्देशित किया गया। • बी.एच.टी. के सभी कॉलमों को समझा कर उनको पूर्ण रूप से भरने हेतु कहा गया ताकि भविष्य में यदि मरीज को कुछ समस्या होती है तो उसे बी.एच.टी. द्वारा सहायता दी जा सकती हैं। • लेबर रूम स्टाफ को हाई रिस्क प्रेगनेंसी के विषय में बताया गया और इसके रिपोर्टिंग से क्या लाभ है उसके विषय में बताया गया एवं हाईरिस्क प्रेगनेंसी चिन्हित एवं उनका अभिलेखीकरण करने हेतु कहा गया। • चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षा की गई कि अपने राउन्ड के दौरान बी0एच0टी0 का अनुश्रवण अवश्य कर लें। • एस0बी0ए0 प्रशिक्षित स्टाफ नर्स तैनात की जाये। • पार्टोग्राफ भरने की प्रशिक्षण कराई जाये। • प्रयोग में लाने हेतु रखे गये समस्त उपकरणों को तत्काल बदला जाये। • महिला वार्ड में प्रचार–प्रसार हेतु सामग्री का समुचित प्रदर्शन कराया जाये। • डिलेवरी टेबल की तत्काल पेंटिंग व मरम्मत कराये जाये। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रर्दशित कराया जाये	सी0एम0एस0/ हास्पिटल मैनेजर एवं प्रसव कक्ष में तैनात स्टाफ नर्स
चाइल्ड हेल्थ		
• प्रसव कक्ष में ऑक्सिजन कन्सनट्रेटर के मास्क पर काफी धूल जमी हुयी थी एवं उसमें रखा गया द्रव काफी गन्दा था। • प्रसव कक्ष में एन0बी0सी0सी0 कार्नर का रेडियेन्ट वार्मर	• भ्रमण दल द्वारा मौके पर ही प्रसव कक्ष के ऑक्सिजन कन्सनट्रेटर के मास्क पर लगे धूल को साफ कराया गया व हॉस्पिटल मेनेजर को प्रत्येक दिन समुचित सफाई सनिशित कराने हेत निर्देशित किया गया।	सी0एम0एस0/ हास्पिटल मैनेजर एवं डी0पी0एम0

कार्य नहीं कर रहा था। • एस0एन0सी0यू0 युनिसेफ संस्था द्वारा 14 बेड स्थापित किये गये है, जबकि वर्तमान में केवल 7 बेड ही कार्य कर रहे थे। एस0एन0सी0यू0 का बेड आकुपेन्सी रेट काफी अच्छा है। सभी बेड पर बच्चे थे। • इन 7 बेड में भी 3 के रेडियेन्ट वॉर्मर कार्य नही कर रहे थे। • एस0एन0सी0यू0 के इन्चार्ज डा0 नीरज शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में उनके द्वारा कई बार उच्च अधिकारियों को इसके बारे में सूचित किया गया है परन्तु कोई कार्यवाही अभी तक नही हुयी। • समस्त वैक्सीन उपलब्ध थे।	• भ्रमण दल के साथ मौजूद डी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि सी.एम.एस. व मुख्य चिकित्साधिकारी से समन्वय कर एस0एन0सी0यू0 व एन0बी0सी0सी0 कॉर्नर में स्थापित रेडियेन्ट वॉर्मर को शीघ्र ठीक कराय जाये।	
फैमिली प्लानिंग		
• कन्डोम बॉक्स नही लगे थे। • मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित नही था। • स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया कि सेवा प्रदाता की कमी के कारण चिकित्सालय मे नसबन्दी केसों के मॉग के अनुसार नसबन्दी सेवा उपलब्ध नहीं करायी जा पा रही है, क्योंकि सप्ताह में सिर्फ दो ही दिन एफ0डी0एस0 की सेवा दी जाती है। जिसके कारण अन्य दिनों में लाभार्थी सेवा से वंचित रह जाते है। • आर0एम0एन0सी0एच0 काउन्सर द्वारा काउन्सलिंग की सेवा प्रदान की जा रही थी एवं सभी रिकॉर्ड अद्यतन थे।	• आर के एस फंड से कंडोम बॉक्स लगाया जाये। • इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित कराई जाये। • मॉग के अनुसार नसबन्दी सेवा उपलब्ध कराये जाने हेतु एफ.डी0एस0 सेवा की संख्या दो से बढ़कर चार की जाये एवं चिकित्सालय मे तैनात डॉ0 असलम जोकि लैप के प्रशिक्षक है से भी सेवा लिया जाना सुनिश्चित किया जाये।	अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आजमगढ़/ जनपदीय नोडल फैमिली प्लानिंग एवं सी0एम0एस0
अन्य बिंदु		
अस्पताल में 102 एम्बुलेंस का ड्रापबैक रजिस्टर निर्धारित प्रारुप में तैयार नही किया गया था। शासनादेश के अनुसार अस्पताल में कर्मियों को नामित नहीं किया गया था, जिससे उन्हें अपने निर्धारित दायित्वों की जानकारी नहीं थी।	शासनादेश के अनुसार निर्धारित प्रारूप में रजिस्टर तैयार किये जाने का सुझाव दिया गया।	हास्पिटल मैनेजर एवं सी0एम0एस0
लैब के अन्दर पी.ई.पी. किट, ब्लड स्पिल किट, पंक्चर प्रूफ कन्टेनर उपलब्ध नहीं थे एवं लैब के किसी भी कार्मिक द्वारा व्यक्तिगत बचाव उपकरण धारण नहीं किया गया था।	लैब में तत्काल ही संक्षिप्त रूप में बायो वेस्ट नियमावली एवं इंफेक्शन प्रिवेंशन के विषय में जानकारी प्रदान की गयी तथा लैब हेतु समुचित मात्रा में पी.पी.ई. क्रय किये जाने तथा बायो मेडिकल वेस्ट अधिनियम 2016 का प्रशिक्षण आवश्यक रूप से आयोजित कराने हेतु सुझाव दिया गया।	हास्पिटल मैनेजर एवं सी0एम0एस0
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी परन्तु शिकायत निवारण कमेटी का गठन नहीं किया गया।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन किया जाये।	हास्पिटल मैनेजर एवं सी0एम0एस0
लैब के अन्दर सिरिंज, रुई, सिरिंज की खाली पैकेट एक ही बिन के अन्दर डाली जा रही थीं।	लैब स्टाफ को रजिस्टर के रख–रखाव, जैव अपशिष्ट निस्तारण एवं पृथक–करण का प्रशिक्षण, इन्फेक्शन प्रिवेंशन का प्रशिक्षण मौके पर ही प्रदान किया गया।	

➢ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सठियांव

विगत वित्तीय वर्ष 2017-18 में किये गए कुल कमिटेड धनराशि रुपए 1156215 के सपेक्ष रुपए 727218 जो लगभग 63 प्रतिशत हैं, खर्च हो चुका हैं। शेष धनराशि लाभार्थियो के अकाउंट न होने के कारण या लाभार्थियों के ट्रेस न होने की स्थिति में खर्च नहीं हो पा रहा हैं।

अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित सुझाव एवं सुधार	कार्यवाही स्तर
मैटरनल हेल्थ		
• लेबर रूम के समीप एक कोने में सफाई में प्रयोग किये जाने वाले कचरे व सामग्री रखी थी तथा वह बहुत ही गन्दे तरीके से रखा गया था जिससे संक्रमण की स्थिति बन रही थी। • पार्टोग्राफ नही भरा जा रहा था और ना ही तैनात स्टाफ को इसकी जानकारी थी। • मरीजों के केस सीट समुचित नही भरे जा रहे थे। • प्रचार प्रसार हेतु सामाग्री का समुचित प्रदर्शन नही किया गया था। • लेबर रूम में मौजुद डिलेवरी टेबल पर जंग लगी एवं टुटी हुयी थी। • कलर कोडेड डस्ट बीन प्रयोग किये जा रहे थें परन्तु ब्लीचिंग पाउडर घोल का प्रयोग नही किया जा रहा था। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रर्दशित नही था। • लेबर रूम कें डिलेवरी रजिस्टर में नवजातों के वजन समुचित प्रकार से नही भरे जा रहे थे। • लेबर रूम में एलबो टैप एवं घडी नही थी। • लेबर रूम के प्रवेश द्वार पर काफी अधेरा था।	• भ्रमण दल द्वारा मौके पर ही लेबर रूम के समीप के कोने को साफ कराया गया। • पार्टोग्राफ भरने का प्रशिक्षण कराया जाये। • प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षा की गई कि अपने राउन्ड के दौरान बी0एच0टी0 का अनुश्रवण अवश्य कर लें। • महिला वार्ड में प्रचार प्रसार हेतु सामग्री का समुचित प्रदर्शन कराया जाये। • डिलेवरी टेबल की तत्काल पेंटिंग व मरम्मत कराया जाये • ब्लिचिंग पाउडर घोल की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रर्दशित कराया जाये • बी.एच.टी. के सभी कॉलमों को समझा कर उनको पूर्ण रूप से भरने हेतु कहा गया ताकि भविष्य में मरीज में कुछ समस्या होती है तो उसके बी.एच.टी. से सहायता प्राप्त की जा सकती है। • लेबर रूम के प्रवेश द्वार पर बल्ब लगाया जाये।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0पी0एम0 व प्रसव कक्ष में तैनात स्टाफ नर्स
चाइल्ड हेल्थ		
• लेबर रूम के एन0बी0सी0सी0 कार्नर का रेडियेन्ट वार्मर कार्य नही कर रहा था। • विटामिन–K उपलब्ध नही था। • कोल्ड चेन रूम मे वैक्सिन का रख रखाव समुचित ढंग से था एवं लॉग बुक भी भरी जा रही थी। • समस्त वैक्सीन उपलब्ध थे।	• एन0बी0सी0सी0 कार्नर में स्थापित रेडियेन्ट वार्मर को शीघ्र ठीक कराया जाये। • विटामिन K की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाये।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0
फैमिली प्लानिंग		
• कोन्डम एवं ओ0सी0पी0 की आपूर्ति विगत आठ माह से नही की गयी है। • कन्डोम बॉक्स नही लगे थे। • मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित नही था। • सास–बहु सम्मेलन नहीं सम्पादित की जा रही है।	• फैमिली प्लानिंग से सम्बंधित समस्त लॉजिस्टिक की आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने हेतु भ्रमण दल द्वारा फैमिली प्लानिंग के जनपदीय नोडल से वार्ता की गयी। • आर0के0एस0 फंड से कन्डोम बॉक्स लगाये जाये। • इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित कराया जाये। • सास–बहु सम्मेलन सम्पादित करायी जाये।	जनपदीय नोडल फैमिली प्लानिंग / प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0 ओ0
अन्य बिंदु		
• आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत पी0एच0सी0 में 02 टीमें कार्यरत हैं आर0बी0एस0के दल द्वारा आज कल 3 ऑगनबाडी केन्द्रों पर भ्रमण किया गया जिसमें	आर0बी0एस0के दल द्वारा 1 बच्चे को दांत की समस्या हेतु रेफर किया गया जिसका समय से फोलोअप सुनिश्चित कराया जाये।	जनपदीय नोडल आर0बी0एस0के /प्रभारी

कुल 39 बच्चों की जाँच की गयी जिसमें 1 बच्चे को दांत की समस्या हेतु रेफर किया गया। • आर0बी0एस0के0 रजिस्टर अद्यतन थे।		चिकित्साधिकारी व बी0 पी0एम0
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका एवं विजिटिंग रजिस्टर नही था।	भ्रमण दल द्वारा मौके पर ही विजिटिंग रजिस्टर बनवाया गया एवं आर0के0एस0 फण्ड से शिकायत पेटिका लगवाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
• 102 एवं 108 सेवा के एम्बुलेन्स कर्मियों द्वारा संधारित रिकार्ड एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा संधारित रिकार्ड में भिन्नता थी। • 102 एवं 108 वाहन का ए0सी0 काम नही कर रहा था। • स्वास्थ्य केन्द्र पर मौजूद आशाओं द्वारा अवगत कराया गया कि कर्मियों द्वारा एम्बुलेन्स सेवा हेतु मरिजो से कुछ धन की मॉग की जाती है।	102 एंव 108 सेवा के संधारित रिकार्ड का शीघ्र सत्यापन कराया जाये। 102 एवं 108 वाहन के ए0सी0 की मरम्मत सुनिश्चित करायी जाये।	जनपदी नोडल/प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0पी0एम0 व एच0ई0ओ।
स्वास्थ्य केन्द्र पर आशाओं की मासिक बैठक चल रही थी जिसमें भ्रमण दल द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं आशाओं को मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में चल रहे अन्य कार्यक्रमों के बारें में अद्यतन जानकारी दी गयी।		

➢ **नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दल श्रृंगार**

1. केन्द्र में ओ0पी0डी0 लोड काफी कम है, जो कि औसतन 10 प्रतिदिन है।
2. केन्द्र पर दो स्टाफ नर्स, 5 ए0एन0एम0, 1 लैब टेक्निशियन तथा 1 फार्मासिस्ट की तैनाती की गयी है।
3. पूर्ण कालिक एवं अंशकालिक चिकित्सक की नियुक्ति नही हो पायी है।
4. पलही ब्लॉक के डा0 मनीश पाण्डेय को अस्थायी रूप से इस स्वास्थ्य केन्द्र पर अटैच किया गया है।
5. आर0के0एस0. का गठन हो गया है।
6. कुल 39 शहरी आशाओं में से 35 कार्यरत है।
7. कुल 5 महिला आरोग्य समिति का गठन हो गया है।
8. आशा किट का क्रय किया जा चुका है।
9. केन्द्र में लगे परदे का रॉड टूटकर लटका था।
10. केन्द्र में टेबल की कमी थी।
11. रनिंग वाटर की आपूर्ति नही थी।
12. लैब में प्लेटफार्म/वर्किग स्टेशन की व्यवस्था नही थी।

उक्त के सम्बन्ध में भ्रमण दल द्वारा एन0यू0एच0एम0 इकाई के जिला समन्वयक एन0यू0एच0एम0 नोडल/अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को गुणवत्ता एवं अपेक्षित सुधार के आशय से अवगत कराया गया।

✓ (कृत कार्यवाही– सम्बन्धित समस्त इकाई चिकित्सक एवं कर्मी/जिला समन्वयक एन0यू0एच0एम0/नोडल एन0यू0एच0एम0/सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी एवं सूचनार्थ सम्बन्धित अनुभाग एस0पी0एम0यू0)

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वी0एच0एन0डी0), सत्र का भ्रमण :–

➢ **ग्राम–तुर्क पड़ही, उपकेन्द्र मघना पार्क**

ऑगनवाडी का नामः–सुनीता शर्मा
सहायिका का नामः– उर्मिला मौर्या

- ए0एन0एम0 गायत्री यादव एवं आशा कार्यकत्री संगीता यादव वी0एच0एन0डी0 सत्र पर उपस्थित थीं।
- ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का बैनर सत्र स्थल पर लगा नहीं पाया गया।
- टीकारण सम्बन्धी संदेश दिये जा रहे थे।
- ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का माइको प्लान सत्र स्थल पर उपलब्ध नहीं था।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र में शिशु के वजन मापने की मशीन नही थी।
- वयस्क के वजन मापने की मशीन भी खराब थी।
- एम0सी0टी0एस0 कार्ड पर एम0सी0टी0एस0 न0 अंकित नही था।
- परिवार नियोजन का साधन जैसे कोन्डम, ओरल पिल्स इत्यादि उपलब्ध नही थे।
- ड्यू लिस्ट केन्द्र पर उपलब्ध नही थी।
- ओ0आर0एस0 एवं जिंक टेबलेट उपलब्ध नही थी।
- किशोरियों हेतु सेनेटरी नैपकीन नही था।
- केन्द्र पर प्रचार प्रसार की कोई सामग्री उपलब्ध नही थी।

➢ **ग्राम बातन, उपकेन्द्र चिलबिली**

आगनवाडी का नामः–दुर्गावती देवी

सहायिका का नामः– सविता देवी

- ए0एन0एम0 ललिता देवी एवं आशा कार्यकत्री प्रतिभा सिंह वी0एच0एन0डी0 सत्र पर उपस्थित थीं।
- ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का बैनर सत्र स्थल पर लगा नहीं पाया गया।
- टीकारण सम्बन्धी संदेश दिये जा रहे थे।
- ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का माइक्रो प्लान सत्र स्थल पर उपलब्ध नहीं था।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में शिशु के वजन मापने की मशीन नही था।
- वयस्क के वजन मापने की मशीन भी खराब थी।
- एम0सी0टी0एस0 कार्ड पर एम0सी0टी0एस0 नं0 अंकित नही था।
- परिवार नियोजन का साधन जैसे कोन्डम, ओरल पिल्स इत्यादि उपलब्ध नही थे।
- ड्यू लिस्ट केन्द्र पर उपलब्ध नही थी।
- ओ0आर0एस0 एवं जिंक टेबलेट उपलब्ध नही थी।
- किशोरियों हेतु सेनेटरी नैपकीन नही था।
- केन्द्र पर प्रचार प्रसार की कोई सामग्री उपलब्ध नही थी।
- बी0पी0 मशीन एवं अन्य टेस्ट किट उपलब्ध नही थी।
- वैक्सीन कैरियर में आइस पैक सही से जमी नही थी।

उक्त दोनो सत्र के सम्बन्ध में भ्रमण दल के साथ मौजूद बी0सी0पी0एम0 धीरज कुमार श्रीवास्तव एवं दोनो ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि वी0एच0एन0डी0 सत्र को मानक अनुसार संचालित कराये एवं अन्य सत्रों की भी गुणवत्ता सुनिश्चित करायें।

✓ (कृत कार्यवाही– सम्बन्धित ए0एन0एम0, आशा/एम0ओ0आई0सी0/जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबन्धक /सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी एवं सूचनार्थ सम्बन्धित अनुभाग एस0पी0एम0यू0)

➢ **<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हरैया</u>**

विगत वित्तीय वर्ष 2017–18 में किये गए कुल कमिटेड धनराशि रुपए 760581 के सपेक्ष रुपए 727218 जो लगभग 96 प्रतिशत हैं खर्च हो चूका हैं शेष धनराशि लाभार्थीयो के अकाउंट न होने के कारण या लाभार्थियों के ट्रेस न होने की स्थिति में खर्च नहीं हो पा रहा हैं 96 प्रतिशत भुगतान करने के लिए समस्त ब्लाक के अधिकारियों व कर्मचारियों की प्रशन्सा की गयी।

अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित सुझाव एवं सुधार	कार्यवाही स्तर
मैटरनल हेल्थ		
• मरीजों के केस सीट समुचित नही भरे जा रहे थे। • प्रचार प्रसार हेतु सामग्री का समुचित प्रदर्शन नही किया गया था। • कलर कोडेड डस्टबीन प्रयोग किये जा रहे थें परन्तु	• केस सीट के सभी कॉलमों को समझा कर उनको पूर्ण रूप से भरने हेतु कहा गया। • प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षा की गई कि अपने राउन्ड के दौरान	अधीक्षक व एच0ई0ओ0

ब्लीचिंग पाउडर सलुसन का प्रयोग नही किया जा रहा था। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रदर्शित नही था। • प्रसव कक्ष में एलबो टैप एवं घड़ी नही थी। • लेबर रूम में प्रसव में दौरान प्रयोग में लाने हेतु रखे गये उपकरणों पर जंग लगे थे।	केस सीट का अनुश्रवण अवश्य कर लें। • महिला वार्ड में प्रचार प्रसार हेतु सामग्री का समुचित प्रदर्शन कराये जाये। • ब्लीचिंग पाउडर घोल की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रदर्शित कराया जाये। • प्रसव कक्ष में एलबो टैप एवं घड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। • प्रयोग में लाने हेतु रखे गये समस्त उपकरणों को तत्काल बदला जाये।	
चाइल्ड हेल्थ		
• प्रसव कक्ष में एन0बी0सी0सी0 कार्नर का रेडियेन्ट वार्मर कार्य नही कर रहा था। • समस्त वैक्सीन उपलब्ध थे। • विटामीन K उपलब्ध नही था। • कोल्ड चेन रूम मे वैक्सिन का रख रखाव समुचित ढंग से था एवं लॉग बुक भी भरी जा रही थी।	• एन0बी0सी0सी0 कार्नर में स्थापित रेडियेन्ट वार्मर को शीध्र ठीक करायी जाये। • विटामीन K की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये।	अधीक्षक व एच0ई0ओ0
फैमिली प्लानिंग		
• कन्डोम बॉक्स नही लगे थे। • मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित नही था। • पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रजिस्टर अद्यतन नहीं था। • सास–बहु सम्मेलन नहीं सम्पादित की जा रही है।	• आर के एस फंड से कन्डोम बॉक्स लगाया जाये • इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित करायी जाये। • सास–बहु सम्मेलन सम्पादित करायी जाये।	अधीक्षक / एच0ई0ओ0 व बी0सी0पी0एम0
अन्य बिंदु		
परिसर के अन्दर विजिटिंग रजिस्टर नही थी।		
• आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत पी0एच0सी0 में 02 टीमें कार्यरत हैं आर0बी0एस0के दल द्वारा आज कुल 3 आगनबाडी केन्द्रों पर भम्रण किया गया जिसमें कुल 40 बच्चों की जॉच की गयी जिसमें 1 बच्चे को दॉत व 2 बच्चे नेत्र दोष की समस्या हेतु रेफर किया गया। • आर0बी0एस0के0 रजिस्टर अद्यतन थे।	• आर0बी0एस0के दल द्वारा 1 बच्चे को दॉत की समस्या व 2 बच्चे नेत्र दोष हेतु रेफर किया गया, जिसका समय से फालोअप सुनिश्चित की जाये।	जनपदीय नोडल आर0बी0एस0के / प्रभारी चिकित्साधिकारी व बी0पी0एम0
• 102 एवं 108 वाहन के ए0सी0 काम नही कर रहे थे।		प्रभारी चिकित्साधिकारी व बी0पी0एम0
• एच0एम0आई0एस0 डाटा सही तरीके से नही भरा जा रहा था। • सी0एच0सी0 के अन्तर्गत और भी फैसिलिटि के रिकार्ड भी इसमें जोड दिये जा रहे थे। • डिलेवरी का रिकार्ड 111 था जबकि न्यू वार्न के टीकाकरण डिस्चार्ज होने से पहले का रिकॉर्ड 253 था।	पोर्टल पर अपलोड किये जाने वाले रिपोर्ट के सोर्स डाटा की हस्ताक्षरित प्रति के आधार पर ही रिपोर्ट अपलोड करें, एवं उक्त डाटा को भविष्य के सन्दर्भन एवं ऑडिट हेतु सुरक्षित रखा जाये।	

➢ **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिलरियागंज**

विगत वित्तीय वर्ष2017–18 में किये गए कुल कमिटेड धनराशि रुपए 998750 के सपेक्ष रुपए 376475 जो लगभग 38 प्रतिशत हैं खर्च हो चूका हैं शेष धनराशि लाभार्थीयो के अकाउंट न होने के कारण या लाभार्थीयो के ट्रेस न होने के स्थिति में खर्च नहीं हो पा रहा हैं।

अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित सुझाव एवं सुधार	कार्यवाही स्तर
मैटरनल हेल्थ		
• आयरन सुक्रोज उपलब्ध है, परन्तु स्टाफ को इसका प्रोटोकाल नहीं पता था। • लेबर रूम में तैनात स्टाफ नर्स एस0बी0ए0 में प्रशिक्षित नही थी। • पार्टोग्राफ नही भरा जा रहा था और ना ही तैनात स्टाफ को इसकी जानकारी थी। • लेबर रूम में मौजुद डिलेवरी टेबल पर जंग लगी एवं ईट के सपोर्ट से रखी हुयी थी। • ब्लिचिंग पाउडर नही है इसलिए घोल का प्रयोग नही किया जा रहा है। • बी.एच.टी. पूरी नहीं भरी जा रही थी	• आयरन सुक्रोज के प्रोटोकाल के बारे बताया गया। • एस0बी0ए0 प्रशिक्षित स्टाफ नर्स तैनात की जाये। • पार्टोग्राफ भरने का प्रशिक्षण करायी जाये। • डिलेवरी टेबल की तत्काल पेंटिग व मरम्मत करायी जाये। • बी.एच.टी के सभी कॉलमों को समझा कर उनको पूर्ण रूप से भरने हेतु कहा गया • प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षा की गई कि अपने राउन्ड के दौरान बी.एच.टी का अनुश्रवण अवश्य कर लें। • ब्लिचिंग पाउडर घोल की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। • महिला वार्ड में डाइट चार्ट प्रर्दशित कराया जाये।	अधीक्षक / एच0ई0ओ0 / बी0पी0एम0 व लेबर रूम में तैनात स्टाफ नर्स
चाइल्ड हेल्थ		
• प्रसव कक्ष में एन0बी0सी0सी0 कार्नर का रेडियेन्ट वार्मर कार्य नही कर रहा था। • समस्त वैक्सीन उपलब्ध थे। • विटामीन K उपलब्ध नही था। • कोल्ड चेन रूम मे वैक्सिन का रख रखाव समुचित ढंग से था एवं लॉग बुक भी भरी जा रही थी।	• एन0बी0सी0सी0 कार्नर में स्थापित रेडियेन्ट वार्मर को शीध्र ठीक करायी जाये। • विटामीन K की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये।	अधीक्षक व एच0ई0ओ0
फैमिली प्लानिंग		
• कन्डोम बाक्स नही लगे थे। • मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित नही था। • सास बहु सम्मेलन नही सम्पादित किया जा रहा है।	• आर के एस फंड से कंडोम बॉक्स लगाया जाये। • इन्हेन्स कम्पन्शेसन स्कीम से सम्बन्धित आई0ई0सी0 प्रदर्शित करायी जाये। • सास बहु सम्मेलन सम्पादित करायी जाये।	अधीक्षक / एच0 ई0ओ0 व बी0सी0पी0एम0
अन्य बिंदु		
• लैब के अन्दर कचरे बिखरे थे।	लैब में तत्काल ही संक्षिप्त रूप में बायो वेस्ट नियमावली एवं इंफेक्शन प्रिवेंशन के विषय में जानकारी प्रदान की गयी।	अधीक्षक / एच0ई0 ओ0 व बी0सी0पी0एम0
• परिसर के अन्दर विजिटिंग रजिस्टर नही था।		
• 102 एवं 108 वाहन का ए0सी0 काम नही कर रहा था।		

दिनांक 14 जून 2018 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में डिब्रीफिगं बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक जिला लेखा प्रबन्धक, एन0एच0एम0 के लिपिक द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में भौतिक एवं वित्तीय प्रोग्रेस के साथ जनपद स्तर पर वर्ष 2018–19 में उपयोग हेतु कमिटेड करायी गयी धनराशि पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की गयी बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा जनपद की सभी प्रकार के टेण्डर व अन्य गतिविधियों पर कार्यवाही की गई है। यथाः–

- Medicine व IEC का टेण्डर दिनांक 12/06/2018 को अपलोड हो गया है।
- सभी प्रकार के ट्रेनिंग के लॉजिस्टिक यथा भोजन, स्टेशनरी आदि का भी टेण्डर हो गया है।
- Cleaning and Laundry,NPK का टेण्डर माह जून के अंत तक कर दिया जायेगा।
- FP-LMIS की ट्रेनिंग 26 जून से प्रस्तावित है।
- Rotavirus एवं नव नियुक्त आशाओं के ट्रेनिंग का भी प्लान हो गया है।
- आयरन सुक्रोज सभी स्वास्थ्य इकाईयो पर उपलब्ध करा दिया गया है।
- सभी प्रकार के HR की नियुक्ति की कार्यवाही कर दी गई हैं, जिससे सैलरी मद में व्यय हो पाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2018–19 में राज्य द्वारा प्राप्त DAP एवं समस्त कमिटेड धनराशि का व्यय अपने निर्धारित भौतिक लक्ष्य के सापेक्ष माह जुलाई 2018 तक 2 माह हेतु शत–प्रतिशत नियमतः व्यय किए जाने के लिए मदवार जिम्मेदारी सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को समय पर पूर्ण करने हेतु निर्धारित कर दी गयी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2017–18 के ब्लड बैंक की स्थापना हेतु की गई कमिटेड धनराशि लगभग 56 लाख आर0सी0 के अभाव में व्यय नही किया जा सका है। बैठक के दौरान भ्रमण के उपरान्त जनपद के सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों के विषय में भी विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।

भ्रमण के उपरान्त जनपद के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भ्रमण में पायी गयी कमियों से अवगत कराया गया तथा उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि इकाईवार पायी गयी कमियों के साथ अन्य सभी स्वास्थ्य इकाईयों पर भी सुधारात्मक कार्यवाही की जायेगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने यह भी बतया कि जुलाई माह के SOE में अधिक से अधिक व्यय परिलिक्षित हो पाएंगी।

पत्रांक–SPMU/NHM एस0एस0वी0/आजमगढ़/2018–19/ तद्दिनांक–

प्रतिलिपि–सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही के साथ सम्बन्धित अधिकारी द्वारा अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध हेतु।

1. समस्त सम्बन्धित एस0पी0एम0यू0, अनुभाग।
2. अपर निदेशक, आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़ को इस आशय से कि उक्त बिन्दुओं में जनपद आजमगढ़ में आपेक्षित सुधार एवं प्रतिमाह राज्य स्तर से गठित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल के साथ एन0एच0एम0 में संविदा पर कार्यरत विभिन्न–विभिन्न कार्यक्रमों के मण्डल स्तरीय सलाहकार/समन्वयकों/प्रबन्धक को पर्यवेक्षण भ्रमण में कार्यक्रम की गुणवत्ता हेतु शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायेगे।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, आजमगढ़।
4. मुख्य चिकित्साधिकारी/सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति/समस्त उप/अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आजमगढ़।
5. समस्त ब्लाक प्रभारी/अधीक्षक, आजमगढ़।
6. समस्त एन0एच0एम0 जनपद स्तरीय प्रबन्धक/सलाहकार/समन्वयक आदि आजमगढ़।
7. समस्त एच0ई0ओ0/ए0आर0ओ0/बी0पी0एम0यू0 तथा सम्बन्धित पैरामेडिकल स्टाफ आजमगढ़।

Avanish Pandey

(अवनीश पाण्डेय)
(सिविल अनुभाग)

24/6/18

(मनीष कुमार सोनी)
(कन्सल्टेंट,परिवार नियोजन)